पेडल ऑपरेटेड मेज शेलर

चर्चा में क्यों?

27 नवंबर, 2021 को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई मकई का दाना निकालने वाली पेडल ऑपरेटेड मेज शेलर को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय की ओर से डिज़ाइन पेटेंट मिला है।

प्रमुख बिंदु

- इस मशीन का आविष्कार महाविद्यालय के प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग के डॉ. विजय कुमार सिंह व सेवानिवृत्त डॉ. मुकेश गर्ग की अगुवाई में किया गया। इस मशीन के लिये वर्ष 2019 में डिज़ाइन हेतु आवेदन किया गया था।
- इस मशीन का प्रयोग कम जोत वाले व छोटे किसानों के लिये बहुत ही लाभदायक होगा। इससे मक्का का बीज तैयार करने में मदद मिलेगी, क्योंकि इसके द्वारा निकाले गए दाने मात्र एक प्रतिशत तक ही टूटते हैं और इसकी प्रति घंटा कार्यक्षमता भी 55 से 60 किलोग्राम तक की है।
- आधुनिक मशीन को चलाने के लिये केवल एक व्यक्ति की ज़रूरत है और इसको एक स्थान से दूसरे स्थान तक परिवहन की भी समस्या नहीं होती, क्योंकि इसका वज़न लगभग 50 किलोग्राम है, जिसमें पहिये लगे हुए हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pedal-operated-maize-sheller